शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

मध्यावधि परीक्षा अभ्यास प्रश्न पत्र (2026-27)

कक्षा XII

हिंदी (ऐच्छिक) (002)

निर्धारित समय-3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

<u>सामान्य निर्देश</u>:-

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए:

(i) इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 13 है।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं खंड 'क', 'ख' और 'ग' ।

(iii) तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iv) दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(v) यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।

	खंड 'क' **(अपठित बोध)**	**(18)**
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**	**(10)**
	'मनुष्य विवेकशील प्राणी है तथा उसके सारे कार्य बुद्धि से प्रेरित हुआ करते हैं। उसमें उचित-अनुचित और भले-बुरे को समझने की विशेष बुद्धि होती है। इसलिए वह समस्त प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। भूत-वर्तमान और भविष्य के बीच तालमेल बैठाकर वह अपने क्रियाकलाप निश्चित करता है एवं तदनुसार ही उसके जीवन का भला-बुरा स्वरूप निर्मित होता रहता है। प्राचीन काल में विचारशील मनुष्यों ने सुखी एवं उन्नतिशील समाज की रचना के उद्देश्य से उच्च आदर्शों की पृष्ठभूमि पर जिस आचरण संहिता का निर्माण किया उसे समय-समय पर युगानुकूल परिवर्तनों तथा संशोधनों द्वारा निरंतर जीवंत बनाए रखा। मनीषियों के चिंतन स्वरूप हमें सत्-असत्, न्याय-अन्याय तथा धर्म-अधर्म की जानकारी प्रत्येक युग में मिलती रहती है। मनुष्य ने सदा सुमति पाने की इच्छा प्रकट की। प्रत्येक सुखी एवं सदाचारी व्यक्ति सुमति का धनी होता है। बुद्धि यदि सुपथगामिनी होती है, तो विश्व की समस्त सिद्धियाँ सहज ही प्राप्त होती हैं तथा जीवन में सच्चे आत्म-संतोष एवं सुख का निवास होता है। ऐसा व्यक्ति अपने साथ औरों के सुख की भी कामना रखता है। 'बुद्धिर्यस्य बलं तस्य' अर्थात् वही शक्तिशाली है, जिसमें बुद्धि होती है। सद्बुद्धि न केवल सही मार्गदर्शन कराती है, बल्कि व्यक्ति को समय-समय पर नियंत्रित भी करती है। जब कभी मनुष्य भावावेश में आकर सही मार्ग से भटक जाता है उस समय सद्बुद्धि उसे रोकने का प्रयास करती है तथा उसे उचित मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जहाँ सुमति का अभाव होता है वहाँ दुर्मति का प्रभाव स्थापित हो जाता है। अपने सुख की चिंता में व्यक्ति	

	स्वार्थ-केंद्रित हो जाता है। ईर्ष्या-द्वेष, छल-कपट, हिंसा, आदि भावनाएँ उसके मन-मस्तिष्क को कलुषित कर देती हैं।	
(i)	जीवधारियों में मनुष्य को सर्वश्रेष्ठ क्यों माना जाता है ? (क) वह भूत भविष्य से तालमेल बैठाकर काम करता है। (ख) वह अन्य जीवों से अधिक समझदार होता है। (ग) उसमें भले-बुरे को समझने की बुद्धि होती है। (घ) अपने भले-बुरे का निर्धारण करता है।	**1**
(ii)	सुमति संपन्न व्यक्ति की क्या विशेषता होती है ? (क) सभी प्राणियों को अपना समझता है। (ख) इशारे से सबकी भावनाओं को समझ लेता है। (ग) विवेकशक्ति तीव्र होती है। (घ) कार्य आरंभ करके बीच में नहीं छोड़ता है।	**1**
(iii)	मनीषियों ने आचरण संहिता को उपयोगी कैसे बनाया ? (क) समय-समय पर युगानुकूल संशोधनों द्वारा (ख) अनुपयोगी तथ्यों को जोड़कर (ग) समाज से सलाह करके (घ) निरंतर मंथन करके	**1**
(iv)	सद्बुद्धि का जीवन में क्या महत्त्व है?	**1**
(v)	कलुषित भावनाएँ कब मन-मस्तिष्क में भर जाती हैं?	**2**
(vi)	'बुद्धिर्यस्य बलं तस्य' का तात्पर्य क्या है ?	**2**
(vii)	सही मार्ग से भटकने का क्या फल होता है ?	**2**
2.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**	**(08)**
	वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो, चट्टानों की छाती से दूध निकालो है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो पीयूष चन्द्रमाओं को पकड़ निचोड़ो। चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे ! योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे ! छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाये, मत झुको अनय पर भले व्योम फट जाये । दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है मरता है, जो एक ही बार मरता है।	

	तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे, जीना हो तो मरने से डरो नहीं रे ! स्वातंत्र्य जाति की लगन व्यक्ति की धुन है, बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है। नत हुए बिना जो अशनि-घात सहती है, स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है। वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे ! जो पड़े आन, खुद ही सब आग सहो रे !	
(i)	पद्यांश में किस प्रकार की भावनाएँ व्यक्त की गई हैं ? (क) अधीरता की (ख) चिंता की (ग) वीरता की (घ) भीरुता की	1
(ii)	'चट्टानों की छाती से दूध निकालो' इस पंक्ति से कौन-सा भाव प्रकट होता है ? (क) द्वन्द्व (ख) वैराग्य (ग) पराक्रम (घ) ज्ञान	1
(iii)	'दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है' इस पंक्ति में कवि ने किस सत्य का आभास कराया है ? (क) भाग्य के लिखे को कोई मिटा नहीं सकता (ख) मृत्यु अवश्यंभावी है (ग) परोपकार सबसे बड़ा पुण्य है (घ) मृत्यु बार-बार नहीं आती	1
(iv)	'चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे' से क्या आशय है?	1
(v)	इस कविता से क्या प्रेरणा मिलती है ?	2
(vi)	स्वाधीन रहने वाले देश के लोगों की भावनाओं को अपने शब्दों में लिखिए।	2
	खंड 'ख' **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)**	(22)
3.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	
(i)	दूरदर्शन के लिए समाचार लिखते समय किस बात पर विशेष ध्यान दिया जाता है और क्यों ? (शब्द सीमा - लगभग 20 शब्द)	1

(ii)	उलटा पिरामिड शैली में समाचारों को किन हिस्सों में विभाजित कर लिखा जाता है ? (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द)	2
(iii)	इंटरनेट पत्रकारिता क्या है? इसका प्रयोग किन कार्यों के लिए होता है ? (शब्द सीमा – लगभग 40 शब्द)	2
4.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए -**	2x3=6
(i)	मुद्रित माध्यमों के पाठकों के पास वे कौन-सी सुविधाएँ हैं, जो रेडियो के श्रोताओं के पास नहीं हैं?	
(ii)	साहित्यिक लेखन और पत्रकारीय लेखन के अंतर को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि पत्रकारीय लेखन में किन बातों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।	
(iii)	लोकतंत्र में अखबार एक पहरेदार शिक्षक और जनमत निर्माण का कार्य करते हैं। स्पष्ट कीजिए।	
5.	**निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :**	1x5=5
(i) (ii) (iii)	हँसना ज़रूरी है होनहार बिरवान के होत चीकने पात सावधानी ही सुरक्षा है	
6.	**निम्नलिखित में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए -**	2x3=6
(i)	कविता के लिए चित्रभाषा की आवश्यकता पर बल क्यों दिया जाता है? प्राकृतिक दृश्यों को सजीव चेतन बिंब के रूप में प्रस्तुत करने वाली किसी कविता का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।	
(ii)	नाटक में संवाद के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।	
(iii)	एक सफल नाटककार के लिए नाटक में किन तत्त्वों का समावेश करना अनिवार्य होना चाहिए? उन तत्त्वों की व्याख्या कीजिए।	
	खंड 'ग' **(पाठ्यपुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)**	(40)
7.	**निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले** **विकल्पों का चयन कर लिखिए :**	5x1=5
	लागेउ माँह परै अब पाला। बिरहा काल भएउ जड़काला॥ पहल पहल तन रुई जो झाँपै। हहलि हहलि अधिकौ हिय काँपै ॥ आई सूर होइ तपु रे नाहाँ। तेहि बिनु जाड़ न छूटै माहाँ॥ एहि मास उपजै रस मूलू। तँ सो भँवर मोर जोबन फूलू॥ नैन चुवहिं जस माँहुट नीरू। तेहि जल अंग लाग सर चीरू॥	

	टूटहिं बुंद परहिं जस ओला। बिरह पवन होइ मारैं झोला॥ केहिक सिंगार को पहिर पटोरा। गियँ नहिं हार रही होइ डोरा ॥ तुम्ह बिनु कंता धनि हरुई, तन तिनुवर भा डोल। तेहि पर बिरह जराइ कै, चहै उड़ावा झोल॥	
(i)	"एहि मास उपजै रस मूलू" में 'रस मूलू' से क्या तात्पर्य है? (क) घृणा और विषाद की अनुभूति (ख) वृक्ष की जड़ों से निकलता रस (ग) प्रेम और आनंद की अनुभूति (घ) पके हुए फलों का रस	
(ii)	"तँ सो भँवर मोर जोबन फूलू" में 'जोबन फूलू' किस अवस्था को दर्शाता है? (क) बाल्यावस्था (ख) यौवनावस्था (ग) वृद्धावस्था (घ) किशोरावस्था	
(iii)	निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए – **कथन :** नागमती को विरह अत्यंत सुखद प्रतीत हो रही है । **कारण :** वियोग से प्राप्त पीड़ा की अनुभूति इस मास में सबसे कम है । (क) कथन गलत है, किंतु कारण सही है। (ख) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं। (ग) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है। (घ) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।	
(iv)	"तुम्ह बिनु कंता धनि हरुई" में 'कंता' शब्द का क्या अर्थ है? (क) प्रियतम (ख) राजा (ग) सूर्य (घ) चाँद	
(v)	"बिरहा काल भएउ जड़काला" में 'जड़काला' किसे दर्शाता है? (क) सर्दी का मौसम (ख) कठोर समय (ग) हृदय की शीतलता (घ) संयोग की अवस्था	

8.	**काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :**	**2x2=4**
(i)	"कार्नेलिया का गीत में प्रसाद जी ने प्राकृतिक सौंदर्य को भारतवर्ष की विशिष्टता और पहचान के रूप में प्रकट किया है।" इस कथन को ध्यान में रखकर प्रकृति की विशिष्टता स्पष्ट कीजिए।	
(ii)	'मैंने देखा, एक बूँद' कविता में 'रंग गई क्षणभर ढलते सूरज की आग से।' पंक्ति के आलोक में लिखिए कि सूरज की आग ने बूँद को किस प्रकार विशिष्ट बना दिया?	
(iii)	तुलसी के पद 'राघौ ! एक बार फिरि आवौ।' में माता कौशल्या राम से क्या आग्रह कर रही हैं और क्यों ?	
9.	**निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी <u>एक</u> की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए:**	**1x6=6**
(i)	मुझ भाग्यहीन की तू संबल युग वर्ष बाद जब हुई विकल, दुख ही जीवन की कथा रही क्या कहूँ आज, जो नहीं कही ! हो इसी कर्म पर वज्रपात यदि धर्म, रहे नत सदा माथ इस पथ पर, मेरे कार्य सकल हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल ! कन्ये, गत कर्मों का अर्पण कर, करता मैं तेरा तर्पण ! **अथवा**	
(ii)	घर-घर चीर रचा सब काहूँ। मोर रूप रँग लै गा नाहू ॥ पलटि न बहुरा गा जो बिछोई। अबहूँ फिरै फिरै रँग सोई ॥ सियरि अगिनि बिरहिनि हिय जारा। सुलगि सुलगि दगधै भै छारा ॥ यह दुख दगध न जानै कंतू । जोबन जनम करै भसमंतू ॥ पिय सौं कहेहु सँदेसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग। सौ धनि बिरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग ॥	
10.	**निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प का चयन कर लिखिए :**	**5x1=5**
	भारतेंदु मंडल की किसी सजीव स्मृति के प्रति मेरी कितनी उत्कंठा रही होगी, यह अनुमान करने की बात है। मैं नगर से बाहर रहता था। एक दिन बालकों की मंडली जोड़ी गई, जो चौधरी साहब	

	के मकान से परिचित थे, वे अगुआ हुए। मील डेढ़ का सफ़र तै हुआ। पत्थर के एक बड़े मकान के सामने हम लोग जा खड़े हुए। नीचे का बरामदा खाली था। ऊपर का बरामदा सघन लताओं के जाल से आवृत था। बीच-बीच में खंभे और खुली जगह दिखाई पड़ती थी। उसी ओर देखने के लिए मुझसे कहा गया। कोई दिखाई न पड़ा। सड़क पर कई चक्कर लगे। कुछ देर पीछे एक लड़के ने उँगली से ऊपर की ओर इशारा किया । लता-प्रतान के बीच एक मूर्ति खड़ी दिखाई पड़ी। दोनों कंधों पर बाल बिखरे हुए थे। एक हाथ खंभे पर था। देखते ही देखते यह मूर्ति दृष्टि से ओझल हो गई। बस, यही पहली झाँकी थी।	
(i)	गद्यांश में किसी साहित्यकार को प्रत्यक्ष देखने की उत्कंठा से लेखक के मन की कौन-सी भावना निहित है? (क) आक्रोश (ख) सहानुभूति (ग) सम्मान (घ) उत्साह	
(ii)	'दोनों कंधों पर बाल बिखरे हुए थे' इस कथन से चौधरी साहब के व्यक्तित्त्व के बारे में आप क्या अनुमान लगाते हैं? (क) बाल बढ़ाकर रखना उनकी प्रतिज्ञा थी। (ख) बाल कटवाने छँटवाने की सुविधा नहीं थी। (ग) उन्हें लंबे बाल रखने का शौक था। (घ) छोटे बाल रखना उनकी कुल-परंपरा नहीं थी।	
(iii)	गद्यांश में आया वाक्य "ऊपर का बरामदा सघन लताओं के जाल से आवृत था" चौधरी साहब के बारे में किस बात को द्योतित करता है ? (क) स्वाध्याय प्रेम (ख) प्रकृति-प्रेम (ग) आत्मानुशासन प्रेम (घ) कला प्रियता	
(iv)	निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : **कथन :** चौधरी प्रेमघन की पहली झलक से ही लेखक प्रभावित था। **कारण :** प्रेमघन का व्यक्तित्व अनोखा और आकर्षक था। **विकल्प :** (क) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है। (ख) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	

	(ग) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। (घ) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।	
(v)	लेखक चौधरी साहब से मिलने के लिए उत्कंठित थे, क्योंकि वे : (क) भारतेंदु हरिश्चंद्र के मित्र थे। (ख) पिताजी के अच्छे मित्र थे। (ग) प्रसिद्ध साहित्यकार थे। (घ) आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी थे।	
11.	**गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :**	**2x2=4**
(i)	अपने समाज या आसपास के किसी रीति-रिवाज या अंधविश्वास का उल्लेख करते हुए आज के वैज्ञानिक युग में उसकी प्रासंगिकता पर 'ढेले चुन लो' पाठ के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त कीजिए।	
(ii)	संवदिया की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि संवदिया की भूमिका मिलने पर आप उसका दायित्व और भूमिका कैसे निभाएँगे।	
(iii)	अराफात ने ऐसा क्यों बोला कि 'वे आपके ही नहीं हमारे भी नेता हैं। उतने ही आदरणीय जितने आपके लिए।' इस कथन के आधार पर गांधीजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।	
12.	**निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी <u>एक</u> की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए :**	**1x6=6**
(i)	मेरे पिताजी फ़ारसी के अच्छे ज्ञाता और पुरानी हिंदी कविता के बड़े प्रेमी थे। फारसी कवियों की उक्तियों को हिंदी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाने में उन्हें बड़ा आनंद आता था। वे रात को प्रायः रामचरितमानस और रामचंद्रिका, घर के सब लोगों को एकत्र करके बड़े चित्ताकर्षक ढंग से पढ़ा करते थे। आधुनिक हिंदी साहित्य में भारतेंदु जी के नाटक उन्हें बहुत प्रिय थे। उन्हें भी वे कभी-कभी सुनाया करते थे। जब उनकी बदली हमीरपुर जिले की राठ तहसील से मिर्जापुर हुई तब मेरी अवस्था आठ वर्ष की थी। उसके पहिले ही से भारतेंदु के संबंध में एक अपूर्व मधुर भावना मेरे मन में जगी रहती थी। **अथवा**	
(ii)	हर दिन प्रातः जिस कच्ची सड़क पर वे घूमने निकलते उसके एक सिरे पर एक कुटिया थी, जिसमें एक रुग्ण व्यक्ति रहते थे, संभवतः वह दिक् के मरीज थे। गांधी जी हर दिन उसके पास जाते और उसके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ करते। उनका वार्तालाप गुजराती भाषा में हुआ करता। मैं समझता हूँ गांधी जी की देखरेख में उसका इलाज चल रहा था। यह गांधी जी का रोज का नियम था।	
13.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए :**	**2x5=10**

(i)	'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के संदर्भ में सूरदास के चरित्र की विशेषताएँ बताते हुए सिद्ध कीजिए कि सूरदास हार मानने वाला व्यक्ति नहीं था।	
(ii)	'बिस्कोहर की माटी' शीर्षक पाठ में ग्रामीण परिवेश की विषमताओं का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए।	
(iii)	'बिस्कोहर की माटी' पाठ में बिसनाथ ने अपने गाँव के प्रति जिन मनोभावों का उल्लेख किया है उनका वर्णन कीजिए।	